Regarding need for establishment of Information Technology and other Skill Development Institutions in Mithila-Simanchal region of Bihar- laid

श्री राजेश रंजन **(पूर्णिया) :** शिक्षा-केंद्र की अनिवार्यता पर अपने विचार प्रस्तुत कर रहा हूँ । पूर्णिया मिथिला-कोशी-सीमांचल क्षेत्र का केन्द्र है । यहाँ से पश्चिम बंगाल, उत्तर में नेपाल के हिमालयी क्षेत्र के नजदीकता और पूर्वोत्तर तथा बंगाल-न्यूनतम कनेक्टिविटी का लाभ मिलता है परन्तु उच्च शिक्षा और आधुनिक रोजगार के अवसर सीमित हैं । युवा प्रतिभाएँ कोटा, बैंगलोर, हैदराबाद जैसे दूरस्थ केन्द्रों की ओर पलायन करने को बाध्य हैं जिससे स्थानीय क्षमताओं का पलायन होता है । ऐसा IT-एजुकेशन-हब स्थापित करने से तीन स्पष्ट लाभ होंगे:

1. स्थानीय युवाओं को उच्च गुणवत्ता की तकनीकी शिक्षा और स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे;

2. क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था, कृषि-बाजार और छोटे उद्योगों को डिजिटल समाधान व स्टार्ट-अप वेंचर से जोड़कर वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखला से जोड़ने का मार्ग खुलेगा तथा

3. सीमांचल की भौगोलिक-रणनीतिक स्थिति का बेहतर उपयोग कर क्षेत्रीय असमानता घटेगी ।

हाल ही में राज्य स्तर पर मिथिला-सीमांचल में IT/Youth Skill Hub की अवधारणा पर भी विचार चल रहा है| सरकार इस क्षेत्र के लिए एक समेकित योजना भौतिक इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रशिक्षण-अकादमियाँ, उद्योग-सहयोग और टैक्स/प्रोत्साहन नीतियाँ शीघ्र जारी करे ताकि सीमांचल का युवा अब शहरों की दूरी पर नहीं, अपने घर पर ही अवसर पाये । बिहार के सीमांचल विशेषकर पूर्णिया के विकास और वहाँ एक समर्पित IT एवं औद्योगिक संस्थान की स्थापना की जाए ।

-